गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2021-2023

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
9406744064

मासिक
गोलालारीय दर्शन
सफलता के 13 वर्ष
लेट पोस्टिंग

अपनों के साथ अपनी बातें

सेवा में,

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 13 अंक : 6 पृष्ठ संख्या : 8 माह - 15 अप्रैल 2022 सहयोग राशी 1100/- देकर सदस्य बनें ।

* राष्ट्रीय संगोष्ठी और सम्मान समारोह सानंद संपन्न *

इन्दौर, राजेन्द्र जैन बागो । बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय संगोष्ठी व इन्दौर गोलालारीय समाज द्वारा चिकित्सकों एवं समाज सेवियों का सम्मान समारोह 26 मार्च को प्रारम गार्डन में पूर्ण गरिमा के साथ हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ । राष्ट्रीय संगोष्ठी में गोलालारीय समाज जबलपुर, ललितपुर, भोपाल, विदिशा व गंजबासौदा समाज के प्रतिनिधियों के साथ कानपुर, झांसी, सतना, कटनी, उज्जैन, पृथ्वीपुर व कई शहरों से अनेक प्रतिनिधि पधारें थे। गोलालारीय समाज के सक्रिय, सशक्त और क्रियाशील संगठन के निर्माण हेतु देशभर के हर उस क्षेत्र से प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था, जहां पर गोलालारीय समाज के परिवार निवासरत हैं। इस संगोष्ठी में जबलपुर समाज की ओर से पूर्व अध्यक्ष श्री जयकुमार जैन, अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार जैन बाकल, उपाध्यक्ष श्री अश्विन जैन, महासचिव डॉ. सुनील जैन, कोषाध्यक्ष श्री आलोक जैन, ललितपुर समाज की ओर से पूर्व अध्यक्ष श्री मुन्नालाल जैन, अध्यक्ष श्री रविंद्र मोदी, सचिव श्री कुलदीप नौहरकंला, कोषाध्यक्ष श्री अशोककुमार जैन व भोपाल गोलालारीय समाज की ओर से श्री महामंत्री श्री संजय जैन 'लालू', कोषाध्यक्ष श्री राजेश जैन, श्री सुनील जैन व गोलालारीय दर्शन की सहसंपादिका श्रीमती साधना जैन (आकाशवाणी), विदिशा गोलालारीय समाज की ओर से अध्यक्ष डॉ. संतोषकुमार सिंघई , सचिव डॉ. राहुल जैन व वरिष्ठ सदस्य श्री राजेशकुमार मानोरिया, गंजबासौदा समाज की ओर से संरक्षक श्री शांतिकुमार जैन, झांसी समाज की ओर से अध्यक्ष श्री राजेश जैन, कानपुर से श्री आमोद जैन, कटनी से श्री विकास जैन (जैतवारा), उज्जैन से श्री आलोक जैन (जरीवाला), श्री शैलेन्द्र जैन व मैहर (सतना) से श्री प्रबोध जैन, पृथ्वीपुर से एड.अंकित जैन पधारे। अतिथियों का स्वागत कर मंचासीन करने के उपरांत मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए निर्धारित विषयसूची के आधार पर चर्चा प्रांरभ की गई ।

गोलालारीय परिषद पर चर्चा – संगोष्ठी में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में पुरानी कमेटी को निष्क्रिय व समाप्त मानकर नवीन राष्ट्रीय संगठन बनाने पर जोर दिया । उपस्थित सदस्यों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए एकमत से विचार प्रकट करा कि पूर्व राष्ट्रीय कमेटी (गोलालारीय परिषद) के क्रियाशील ना होने के कारण गोलालारीय समाज गत 20 वर्षों में काफी पीछे हो गया जिसकी भरपाई अब असंभव हैं । 20 वर्ष पूर्व जबलपुर परिचय सम्मेलन में सशक्त राष्ट्रीय संगठन का जो स्वप्न हमारे वरिष्ठजनों ने देखा था उसे अस्थायी समिति के तत्कालीन महामंत्री द्वारा क्रियाशील व सशक्त बनाने के लिए कभी भी उचित रूप से प्रयास किया गया । जबलपुर, इन्दौर व भोपाल में समय-समय पर हुई राष्ट्रीय बैठकों में लिए गए निर्णयों के पश्चात भी महामंत्री श्री सुधीर जैन ने संगठन को गति देने के लिए एक भी रचनात्मक कार्य नहीं कर पाये । राजेन्द्र जैन 'बागो' द्वारा राष्ट्रीय कमेटी के महामंत्री से इस आयोजन के संबंध में हुई चर्चा व उनके विचारों (गोलालारीय परिषद के संबंध में) से उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया गया। अधिकांश सदस्यों का यही मत रहा कि जिस संगठन में गत 20 वर्षों से ना तो नियमानुसार कार्यकारिणी बैठक व चुनाव हो पाए है और ना ही विधिवत साधारण सभा आयोजित कर वार्षिक आर्थिक प्रतिवेदन प्रस्तुत हुए हो तो वह संगठन शासन नियमानुसार स्वतः ही समाप्त हो जाता है । ललितपुर समाज के पूर्व अध्यक्ष एड. मुन्नालालजी के आव्हान पर उपस्थित सभी सदस्यों ने हाथ उठाकर नवीन राष्ट्रीय संगठन के गठन पर सहमति प्रकट करते हुए समर्थन किया। नवीन राष्ट्रीय संगठन पर चर्चा के लिए सदस्यों को नवीन संगठन की नियमावली उपलब्ध कराई गई जिसके आधार पर बिंदुवार चर्चा पश्चात राष्ट्रीय संगठन, क्षेत्रीय संगठन व नगरीय संगठनों के गठन पर अत्यधिक महत्व देकर प्रत्येक नगर/गांव में गोलालारीय समाज परिवारों को एकजुट कर संगठित करने का निर्णय लिया गया हैं, जिसके लिए प्रत्येक नगर/गांव से सदस्यों को संगठन में जोड़ने के लिए सतत् प्रयास करने का विचार रखा गया है । गोलालारीय परिवारों के शैक्षणिक व सामाजिक उत्थान के साथ हर परिवार के हितार्थ कार्य करना ही संगठन का एकमात्र उद्देश्य व लक्ष्य होगा । भौगोलिक आधार पर 6 क्षेत्रीय संगठनों के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया हैं। संगठन के हर स्तर पर महिला प्रतिनिधियों को उचित स्थान देकर संगठन को सशक्त व मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है संगठनों में महत्वपूर्ण पदों पर सिर्फ महिलाओं की नियुक्ति को अनिवार्य रूप से अंकित करा गया हैं। **राष्ट्रीय संगठन के निर्माण के लिए प्रस्तावित नियमावली पर बिंदुवार चर्चा में उपस्थित प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव व विचार रखें जिसका संशोधन कर नवीन नियमावली का निर्माण करते हुए रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही की जावेगी।**

गोलालारीय समाज की सामाजिक व धार्मिक जानकारियां व समाज की प्रतिभाओं को उचित मंच देन के उद्देश्य से समाज का एकमात्र मुखपत्र "**गोलालारीय दर्शन**" अपनों के साथ, अपनी बातें.. गत 13 वर्षों से निरतंर प्रकाशित हो रहा हैं, पत्रिका की प्रगति व आर्थिक स्थिति के बारे में संपादक राजेन्द्र जैन 'बागो' ने उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया । सभी सदस्यों ने पेपर को निरंतर प्रकाशित करते रहने पर विशेष जोर दिया । समाज के हर परिवार को इसकी 10 वार्षिक सदस्यता (1100 रु.) या विशेष सहयोगी राशि (2100 रु.) के रुप में सदस्यता लेने पर जोर दिया । एड. मुन्नालालजी, ललितपुर द्वारा 50 सदस्य को बनाने का आश्वासन दिया, श्री अरविंदकुमार, जयकुमार, डॉ.सुनिल व अश्विन जैन, जबलपुर ने भी 50 से अधिक सदस्य बनाने का आश्वासन दिया । भोपाल, विदिशा, गंजबासौदा के प्रतिनिधियों सर्वश्री राजेश जैन, संजय लालू, डॉ. राहुल जैन व शांतिकुमारजी द्वारा भी पत्रिका के लिए अधिक से अधिक सदस्य बनाने का आश्वासन दिया । गोलालारीय दर्शन पत्रिका समिति द्वारा लिए गए निर्णयानुसार वर्ष 22 से अब 'गोलालारीय दर्शन' सिर्फ उन्हीं परिवारों को भेजा जावेगा जिनके द्वारा पत्रिका के लिए सदस्यता राशि जमा की गई हैं।

विवाह योग्य युवक युवतियों के संबंधों को सरल व सुलभ बनाने के एकमात्र उद्देश्य के साथ समाज की पहली वैवाहिक पत्रिका '**प्रयास**' **रिश्तों को जोड़ने का...** का प्रकाशन प्रतिवर्ष निकालने का आग्रह ललितपुर के श्री मुन्नालालजी ने किया । आमोद जैन कानपुर, राजेश जैन विदिशा, रविन्द्र जैन ललितपुर और अश्विन जैन जबलपुर ने इस पत्रिका में सकल दिगम्बर जैन समाज की प्रविष्टियों के समावेश पर बल दिया व ऑनलाईन सुविधा उपलब्ध कराने पर भी विचार रखा। पत्रिका संपादक श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' ने बताया कि इस पत्रिका के माध्यम से अभी तक 70 से अधिक संबंध हुए है । विदिशा के सचिव डॉ. राहुल जैन ने समाज की एक ज्वलंत समस्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि समाज के उन बच्चों का एक डाटा बैंक बनाना चाहिए । जिसमें 30 वर्ष से अधिक आयु के युवक युवती या जो छोटे गांव में निवासरत बच्चें जिनके विवाह संबंधों में परेशानियां आ रही हैं । जिन परिवारों में विधुर/विधवा या तलाकशुदा प्रत्याशी हैं, उनके संबंधों के लिए भी हमें एक डाटा बैंक का निर्माण करना चाहिए और इसके लिए हर एक नगर/गांव के प्रतिनिधियों को अपने यहां पर इस प्रकार के बच्चों की जानकारी को राष्ट्रीय स्तर पर साझा करना चाहिए ताकि भविष्य में संबंध बनने में यह डाटा सहायक सिद्ध हो सके। प्रयास पत्रिका में इस प्रकार की जानकारियां प्रतिवर्ष प्रकाशित का निर्णय भी लिया गया।

कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित साथियों ने **गोलालारीय दर्शन** के लिए तत्काल सदस्यता राशि प्रदान कर पत्रिका के लिए नवीन ऊर्जा का

शेष पृष्ठ क्र. 2 पर...

परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक

श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884

श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972

खुशालचंद जैन, 9302123879

कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक -

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

श्री सुधेश जैन, इन्दौर

संरक्षक -

श्री विकास जैन, जैतवारा

श्री प्रबोध कुमार जैन, मैहर (सतना)

श्री ऋषिराज धमसैया, अहमदाबाद

विशेष सहयोगी -

श्री अशोककुमार जैन एसबीआई, ललितपुर

श्री राजेश मानोरिया, विदिशा

श्री स्वतंत्रकुमार जैन, चचई (अनूपपुर)

सहयोगी सदस्य -

डॉ. राहुल जैन, विदिशा

श्री वीरेन्द्रकुमार जैन, सिविल लाइन, ललितपुर

श्री शैलेन्द्र जैन, उज्जैन

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/-

संचार किया हैं । संरक्षक (5100 रु.)- श्री प्रबोधकुमार जैन मैहर (सतना), श्री विकास जैन, कटनी ने धनराशि प्रदान की। विशेष सहयोगी (2100 रु.) एड. मुन्नालाल जैन, श्री अशोककुमार जैन ललितपुर, श्री राजेश मानोरिया विदिशा, सहयोगी सदस्य (1100 रु.) श्री राहुल जैन विदिशा श्री वीरेन्द्रकुमारजी ललितपुर, शैलेष कुमार जैन उज्जैन ने सदस्यता राशि प्रदान की ।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में सर्वानुमति से "भारतवर्षीय गोलालारीय महासभा" की अनौपचारिक (Adhoc) समिति का गठन किया गया है जो संगोष्ठी में चर्चा पश्चात सर्वानुमति से लिए गए निर्णयों का संशोधन करते हुये उपस्थित सदस्यों से एक माह में विचार विमर्श कर राष्ट्रीय संगठन को रजिस्टर्ड कराने और विधिवत चुनाव कराने तक के लिए गठित की गई हैं। जिसमें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी श्री प्रवीण कुमार जैन 'दैनिक विश्व परिवार', झांसी वालों को दी गई हैं। उपाध्यक्ष श्री अरविंद कुमार जैन जबलपुर, श्री मुन्नालाल जैन ललितपुर, श्री राजेश जैन झांसी, श्रीमती साधना जैन, भोपाल (आकाशवाणी), महामंत्री श्री राजेन्द्र जैन 'बागो', कोषाध्यक्ष श्री शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा, सहसचिव श्री आमोद जैन कानपुर, श्री संजय जैन लालू, भोपाल, डॉ. राहुल जैन विदिशा, श्री विकास जैन (जैतवारा) कटनी, श्री सुभाष जैन टीकमगढ़, श्री सत्येंद्र जैन अहमदाबाद, श्री नरेन्द्र कुमार जैन, पन्ना व श्री शैलेन्द्र जैन उज्जैन के नाम पर सर्वानुमति से सहर्ष स्वीकृति प्रदान की गई । राष्ट्रीय संगठन को रजिस्टर्ड करने की प्रक्रिया में लगने वाली समस्त कानूनी जानकारी के लिए एड. अरविन्दकुमार जैन, इन्दौर को विधिक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है।

गोलालारीय समाज का सम्मान समारोह -

समाज न्यास द्वारा बहुप्रतीक्षित सम्मान समारोह 27 मार्च को साआनंद संपन्न हुआ जिसमें कोरोना काल की विपरीत परिस्थितियों में समाज के चिकित्सकों, मानव सेवा व पीड़ित परिवारों की सेवा करने वाले समाजसेवियों का बहुमान कर सम्मानित किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हुकमचंदजी सांवला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद व विशेष अतिथि श्री हंसमुख गांधी व अतिथि श्री प्रदीप बड़जात्या पुलक चेतना मंच की गरिमामय उपस्थिति थी । इस अवसर पर श्री हुकुमचंदजी सांवला ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में जैन समाज के गौरवशाली इतिहास को उद्धृत किया। उन्होंने ई.पू. दूसरी और तीसरी सदी में सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य और खारवेल जैस महान राजाओं को जैन आगम का परम भक्त बताते हुए ऐसे ही अनेकानेक इतिहास प्रसिद्ध जैन विभूतियों का सभी से परिचय कराया, जो नई पीढ़ी के लिए वास्तव में एक संग्रहणीय जानकारी थी। इसके साथ ही उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में जैनों के महत्वपूर्ण बलिदान को भी उपस्थित जनसमूह से अवगत कराया। सांवलाजी ने जैनों की विभिन्न जातियों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी और गोलालारीय जाति के उद्भव के बारे में भी बताया । वर्तमान में देश-विदेश के निवास करने वाले गोलालारीय समाज का उद्भव वास्तव में दक्षिण के कर्नाटक प्रांत से हुआ था। उन्होंने एक और अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए समस्त जैन समाज से आव्हान किया कि आगामी जनगणना में सभी लोग अपने धर्म के कॉलम में जैन धर्म और भाषा के कॉलम में प्राकृत भाषा लिखें जिससे जैन समाज की सही-सही जनगणना की जा सके। ज्ञातव्य है की वर्तमान समय में जैनों की सही जनगणना नहीं बताई जा रही। इसका कारण है कि अनेक जैन धर्मावलंबी अपने उपजाति और गोत्र आदि को ही प्राथमिकता देते हैं और धर्म के कॉलम में जैन के स्थान पर उसे ही लिखते हैं जिससे जैनों की वास्तविक जनगणना बहुत कम दिखाई पड़ती है। यह एक अत्यंत विचारणीय मुद्दा है जिस पर हम सभी को ध्यान देना चाहिए।

कोरोना की विपरीत परिस्थितियों में चिकित्सा सेवा व अन्य आवश्यक सेवा उपलब्ध करना वास्तव में कठिन कार्य था । हमारे डॉक्टरों ने अपनी जिम्मेदारी को भलीभांति निभाया हैं अब हमारा प्रथम व परम कर्तव्य बनता हैं कि हम उनका बहुमान कर सम्मान करें इसी कड़ी में हमने कोरोना काल में चिकित्सा सेवाएं देकर इन्दौर में सर्वाधिक रोगियों को स्वस्थ करने वाले डॉ. रवि डोसी, हमारे समाज के गौरव डॉ. रूपेश मोदी, डॉ. राजेश जैन भोपाल, डॉ. सुबोध बांझल व डॉ. श्रीमती साधना बांझल, डॉ. सौम्य जैन, डॉ. निमेष जैन इन्दौर, डॉ. सुनील जैन जबलपुर, डॉ. राहुल जैन विदिशा आयुर्वेदिक चिकित्सा के लिए वैद्यराज चंडीप्रसाद जी, होम्योपैथी चिकित्सा सेवा में श्रीमती प्रतिभा जैन, श्री जिनेंद्र कुमार जैन को सम्मानित किया गया । प्रतिकूल परिस्थितियों में हर किसी के लिए अस्पतालों, दवाइयों को सुलभता से उपलब्ध कराने में अग्रणी रहने वाले श्री नवीन जैन, मानव सेवा के अतिरिक्त पशुओं के लिए जिन्होंने अपना समय व सर्मपण दिया है ऐसे सुश्री प्रियांशु जैन व डॉ. समीर जैन का भी सम्मान किया गया । समाज परिवारों के घर घर जाकर राशन, दवाईयां व आवश्यक सामग्री पहुंचाने वाले हमारे साथी श्री विजय व अजय जैन, गोयल नगर व श्री संजय जैन, स्कीम नं. 78 को भी सम्मानित किया गया । समाज के स्थायी ट्रस्टी श्री रमेशचंद जैन के स्मरणीय योगदान, श्री अशोककुमार जैन (शांति सीड्स) भोपाल को समाजसेवा और आचार्यश्री के आशीर्वाद से गौशाला के सफल संचालन के लिए व श्री जिनेन्द्रकुमार जैन अहमदाबाद, श्री राजेश जैन बीड़ीवाले, झांसी के द्वारा कोरोनाकाल में समाज के पीड़ित परिवारों को सहयोग देने के लिए सम्मानित किया गया ।

गोलालारीय समाज के उन विशिष्ट सदस्यों का मरणोपरांत सम्मान किया गया है जिन्होंने अपने जीवन काल में समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान देकर समाज को गौरवान्वित किया, इसमें सर्वप्रथम झांसी के दैनिक विश्वपरिवार के संस्थापक प्रमुख श्री कैलाशचंदजी जैन, गोलालारीय समाज भोपाल के अध्यक्ष श्री प्रदीपकुमारजी नौहरकलां, श्री प्रदीपकुमारजी एलआईसी भोपाल, श्री अशोककुमारजी विजय नगर, श्री विजयकुमारजी रामचंद्र नगर, इन्दौर के परिजनों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। शिखरजी ड्रीम्ज़ मंदिर की आधारशिला से शिखर तक अपना पूर्ण योगदान देने वाले श्री निशांत जैन और ट्रस्टीगणों, क्लर्क कालोनी की मंदिर वेदी प्रतिष्ठा समारोह का उल्लासपूर्वक आयोजित करने वाले श्री आनंद गोधा की पूरी टीम व गुमास्ता नगर की चातुर्मास समिति का भी सम्मान किया गया ।

इसके साथ ही दिगम्बर जैन समाज की खंडेलवाल समाज, परवार समाज, बघेरवाल समाज, पोडवाल समाज, पद्मावती पोरवाल समाज (मालवा), गोलालारे समाज (भिंड), पद्मावती पोरवाल (उत्तर प्रदेश), सैतवाल समाज, हूमड़ समाज, खरौआ समाज, गोलापूरब समाज व जैसवाल समाज के पदाधिकारियों को कोरोना काल में समाजनों के प्रति किए गए सेवा कार्यों के लिए आमंत्रित कर सम्मानित किया गया । साथ ही इन्दौर में वरिष्ठ समाजसेवियों का भी सम्मान किया गया है इसमें प्रमुख श्री इंद्रकुमार सेठी, राहुल सेठी, मनोज बाकलीवाल, राकेश विनायका, राजीव जैन के साथ गोलालारीय समाज के स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंदजी के सुपुत्र प्रियांशु जैन (अध्यक्ष- वीर बाहुबली सोशल गुप्र) का भी उनकी संस्था के अद्वितीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया ।

न्यास सचिव श्री बाहुबली जैन ने अपने सचिवीय उद्बोधन में सम्मान समारोह की महत्ता पर रोशनी डालते हुए बा.ब्र. अनिल भैया व बा.ब्र. अभय भैया 'आदित्य' के निर्देशन में 1008 आदिनाथ जिनालय में सर्वाधिक योगदान देने वाले परिवारों श्री रमेशचंदजी, डॉ. रूपेश मोदी, भरतेश व इंजी. आनंद कुमार जैन का आभार मानते शीघ्र ही पंचकल्याणक कराने की बात रखी । न्यास के 20 वर्षों की प्रगति के बारे में उल्लेख करते हुए उन्होंने समाज की सभी सहयोगी संस्थाओं गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त रुप से बताया । न्यास अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन ने समारोह में पधारें मुख्य अतिथि श्री हुकुमचंद सांवला, श्री हंसमुख गांधी व प्रदीप बड़जात्या के समाजिक योगदान को याद करते हुए आयोजन में पधारने के लिए आभार प्रकट करते हुए समाजजनों का अभिनंदन कर आभार प्रकट किया । कार्यक्रम का सुचारु संचालन श्री सुदेश जैन द्वारा किया गया । श्री आनंद जैन, अनंत जैन के साथ कु. अर्चिनी, अर्चिशा, अवधि, अवनि व मा. आमर्ष जैन ने मंच पर अतिथियों को सादरपूर्वक सम्मान पत्र भेंट करने में सहयोग दिया । दो दिवसीय आयोजन में न्यास के स्थाई ट्रस्टी श्री राजेन्द्रकुमार जैन (साइकिल वाले), खुशालचंद जी जैन, इंजी. आनंदकुमार जैन, श्री हरीशचंद जैन, श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' व अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन, उपाध्यक्ष श्री अशोककुमार कालानी नगर, सचिव श्री बाहुबली जैन, कोषाध्यक्ष श्री राजेंद्रकुमार जैन (सांईनाथ कॉलोनी), श्री कमलकुमार जैन, सहसचिव श्री मुकेश जैन व कार्यकारिणी सहयोगी श्री अनिल कुमार जैन (न्यू देवास रोड), श्री अनिल कुमार जैन होजयरी, श्री राजेश जैन सायकल, श्री नवीन पंचरतन, श्री सुरेशचंद जैन (अनूप नगर), श्री विजयकुमार जैन (बियाबानी), श्री अरविंदकुमार जैन, योगेश जैन, संजय जैन (स्कीम नं. 78), श्री राजेश जैन, श्री विजय कुमार पंचरतन (सुखलिया), एड. अरविंद जैन, श्री जितेन्द्र जैन पप्पी (परदेशीपुरा), श्री मुकेश जैन, श्री भावेश जैन, श्री प्रशांत जैन, श्री रजत जैन, श्री अंकित जैन (विजयनगर), श्री संजय जैन (क्लर्क कॉलोनी), श्रीमती पुष्पा जैन (महावीर नगर), श्रीमती साधना जैन (बियाबानी), श्रीमती अनुपमा जैन (सहसंपादिका गोलालारीय दर्शन), श्रीमती कल्पना जैन (स्कीम 74) एवं प्रतिक्षा जैन (मैहर) की उपस्थिति ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन मे अपना योगदान दिया । बहुप्रतीक्षित इस आयोजन में लगभग 1300 सदस्यों ने बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाई। कार्यक्रम को मनोरंजक और यादगार बनाने के लिए खेलकूद, तम्बोला व लकी ड्रॉ का आयोजन किया गया था जिसे श्री पंकज जैन, आनंद जैन, अंचल जैन व उदित जैन के द्वारा संचालित किया । तंबोला के आकर्षक पुरस्कारों के आयोजक श्री विवेक जैन रहे । तम्बोला के साथ लकी ड्रॉ कूपन द्वारा सदस्यों को पुरुस्कृत किया गया । आयोजन स्थल पर प्रवेश के समय श्री राजेश, ज्ञानसागर व श्रीमती पुष्पा जैन ने आयोजन में पधारें सभी सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत किया । समाज सदस्यों के लिए ही आयोजित आयोजन में न्यास विधान अनुसार समाज के प्रत्येक परिवार को निर्धारित सामाजिक लगा नियमित रूप से जमा करना अति आवश्यक है नियमित लागा देने वाला परिवार ही समाज का सदस्य कहलाता हैं और समाज की समस्त गतिविधियां सदस्य के हितार्थ ही केन्द्रित होती हैं । इन्दौर में रह रहे, सभी समाजजनों से विनम्र निवेदन है कि वह अपना सामाजिक लगा नियमित रख भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों में आर्थिक सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम के सुचारू संचालन में सहयोग प्रदान करें आपका यही सहयोग समाज को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा सकता हैं।

महावीर जन्मकल्याणक पर विशेष आलेख :

तीर्थंकर महावीर की अहिंसक क्रांति से ही विश्व में शांति संभव

जैन परम्परा के 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर हैं भगवान महावीर स्वामी। आपको वर्द्धमान, सन्मति, वीर, अतिवीर के नाम से भी जाना जाता है। ईसा से 599 पूर्व बिहार प्रान्त के कुण्डलपुर (कुण्ड ग्राम) में महाराजा सिद्धार्थ एवं माता महारानी त्रिशला की एकमात्र संतान के रूप में चैत्र शुक्ला त्रयोदशी को आपका जन्म हुआ था। उनकी शिक्षाएं, सिद्धांत आज अधिक प्रासंगिक हो गए हैं।

शुद्ध भावों का अनुभव अहिंसा: महावीर स्वामी की मूल शिक्षा अहिंसा है। आचार्य अमृतचंद्र जी ने हिंसा-अहिंसा के विवेक को सूत्ररूप में पहले रखा है, फिर उसकी व्याख्या की है। वे कहते हैं कि रागादि भावों की उत्पत्ति हिंसा है और शुद्ध भावों का अनुभव अहिंसा है-

अप्रादुर्भावः खलु रागादीनां भवत्यहिंसेति । तेषामेवोत्पत्तिर्हिंसेति जिनागमस्य संक्षेप।।44।।

जैनसिद्धांत में 'प्रमत्तयोगातब प्राणव्यपरोपणं हिंसा' अर्थात प्रमाद के योग से प्राणों का नष्ट करना हिंसा कहा गया है। प्राणों के नष्ट करने के पूर्व प्रमत्तयोग विशेषण दिया गया है। इस प्रमादयोगरूप पद से सिद्ध होता है कि जहां पर प्रमादयोग नहीं है किंतु जीव के प्राणों का घात है वहां पर हिंसा नहीं कहलाती और जहां पर प्राणों का घात नहीं भी है, किंतु, प्रमादयोग है, वहां पर हिंसा कहलाती है।

अहिंसा का सामान्य अर्थ है हत्या न करना या दंड ना देना ऐसा बिल्कुल नहीं होता । इसका व्यापक अर्थ है - किसी भी प्राणी को तन, मन, कर्म, वचन और वाणी से कोई नुकसान न पहुँचाना। मन में किसी का अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वार भी नुकसान न देना तथा कर्म से भी किसी भी अवस्था में, किसी भी प्राणी कि हत्या न करना, यह अहिंसा है।

जियो और जीने दो : आज विश्व हिंसा की ज्वाला में झुलस रहा है। ताजा उदाहरण यूक्रेन और रूस के मध्य चल रहा युद्ध है, दोनों देश लड़ रहे हैं जिसमें अपार जन- धन की हानि भी हो रही है। भगवान महावीर का प्रमुख सूत्र था -जियो और जीने दो। किसी भी रूप में हिंसा अशांति ही फैलाएगी। शांति के लिए अहिंसक जीवन शैली अत्यंत आवश्यक है। हिंसा की ज्वाला से जूझ रहे विश्व को भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित अहिंसा के शीतल जल से ही उसे राहत मिल सकती है।

महावीर के प्रत्येक उपदेश में अहिंसा निहित : भगवान महावीर स्वामी ने अहिंसा का जितना सूक्ष्म विवेचन किया है। वैसा अन्यत्र दुर्लभ है। महात्मा गांधी ने अहिंसा के बल पर ही अपने देश को स्वतंत्रता दिलायी। अहिंसा केवल निषेधात्मक ही नहीं होती, अपितु विधेयात्मक भी होती है। तीर्थंकर महावीर के प्रत्येक उपदेश में अहिंसा निहित है। उन्होंने अहिंसक क्रांति के बल पर विश्वबंधुत्व और विश्वशांति का मार्ग प्रशस्त किया। बाह्य हिंसा की अपेक्षा यदि मानसिक हिंसा दूर हो जाय तो अहिंसक क्रांति का मार्ग आसानी से प्रशस्त हो सकता है। सभी धर्मों के प्रति सम्मान की भावना ही आधुनिक युग की सच्ची अहिंसा है। अहिंसा सभी धर्मों का मूलाधार है। कोई भी धर्म हिंसा की आज्ञा नहीं देता। अहिंसा की रक्षा के लिए हमारी प्रत्येक क्रिया निर्मल होनी चाहिए।

महावीर की अहिंसा शूरवीरों की : भगवान महावीर की अहिंसा शूरवीरों की अहिंसा है, कायरों की नहीं। पलायनवादी और भीरु व्यक्ति कभी अहिंसक नहीं हो सकता। अहिंसा की आराधना के लिए आवश्यक है -अभय का अभ्यास। सिंह जंगल का राजा होता है, वन्य प्राणियों पर प्रशासन व नियंत्रण करता है। इसी तरह महावीर की अहिंसा है अपनी इन्द्रियों और मन पर नियंत्रण करना। भगवान महावीर स्वामी ने अपने समय में जिस अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार किया, वह निर्बलता और कायरता उत्पन्न करने के बजाय राष्ट्र निर्माण और संगठन करके उसे सब प्रकार से सशक्त और विकसित बनाने वाली थी। उसका उद्देश्य मनुष्य मात्र के बीच शांति और प्रेम व्यवहार स्थापित करना था, जिसके बिना समाज कल्याण और प्रगति की कोई आशा नहीं रखी जा सकती।

प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना : महावीर के अनुसार परम अहिंसक वह होता है, जो संसार के सब जीवों के साथ तादात्म्य स्थापित कर लेता है, जो सब जीवों को अपने समान समझता है। ऐसा आचरण करने वाला ही महावीर की परिभाषा में अहिंसक है। उनकी अहिंसा की परिभाषा में सिर्फ जीव हत्या ही हिंसा नहीं है, किसी के प्रति बुरा सोचना भी हिंसा है।

अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दु:ख न दें। 'आत्मान: प्रतिकूलानि परेषामब न समाचरेत' इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

अहिंसा के महान साधक एवं प्रयोक्ता महावीर : सचमुच महावीर अहिंसा के महान साधक एवं प्रयोक्ता थे। भगवान महावीर अहिंसा की अत्यंत सूक्ष्मता में गए हैं। आज तो विज्ञान ने भी सिद्ध कर दिया है कि वनस्पति सजीव है, पर महावीर ने आज से 2500 हजार वर्ष पूर्व ही कह दिया था कि वनस्पति भी सचेतन है, वह भी मनुष्य की भांति सुख-दुख का अनुभव करती है। उसे भी पीड़ा होती है। महावीर ने कहा, पूर्ण अहिंसा व्रतधारी व्यक्ति अकारण सजीव वनस्पति का भी स्पर्श नहीं करता।

अहिंसा के महानायक महावीर स्वामी ने जल, वृक्ष अग्नि, वायु और मिट्टी तक में जीवत्व स्वीकार किया है। उन्होंने अहिंसा की विशुद्ध व्याख्या करते हुए जल और वनस्पति के संरक्षण का भी उदघोष किया। उनके सिद्धान्तों पर चलकर हमें वृक्ष बचाओ संसार बचाओ उक्ति को अमल में लाना होगा। प्रकृति और पर्यावरण के विरुद्ध चलने से भूकंप, सुनामी, बाढ़ आदि प्राकृतिक प्रकोपों का हमें सामना करना पड़ रहा है। परमाणु खतरों और आतंकवाद से जूझ रही दुनिया को भगवान महावीर के अहिंसा और शांति के दर्शन से ही बचाया जा सकता है।

अहिंसा के रक्षासूत्र हैं व्रत : तीर्थंकर महावीर स्वामी की मूल शिक्षा अहिंसा है। पुरुषार्थसिद्धयुपाय ग्रंथ में अहिंसा को बहुत अधिक व्यापक बनाया गया है। उन्होंने कहा है कि प्रमादयोग से ही व्यक्ति अनेक प्रकार से झूठ बोलता है, कषाययुक्त भावों से ही व्यक्ति दूसरे के धन को हड़पने की चेष्टाएं करता है, रागयुक्त भावनाओं से मैथुन आदि में लिप्त होता है, मूर्च्छाभाव से परिग्रह एकत्र किया जाता है, ये सभी प्रमाद और कषाय भाव हिंसा के ही कारण हैं। अतः झूठ, चोरी, कुशील, परिग्रहवृत्ति आदि में हिंसा सम्मिलित है। इस प्रकार की हिंसा से बचने के लिए ही अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह व्रतों का पालन किया जाता है। अतः ये व्रत अहिंसा के रक्षासूत्र हैं। इन्हीं रक्षासूत्रों में रात्रि भोजनत्याग व्रत भी है। सात शीलव्रत-तीन गुणव्रत और चार शिक्षाव्रत भी अहिंसा की साधना में सहायक हैं। अनर्थदंडव्रत का विधान जैन दर्शन का विशेष अवदान कहा जा सकता है। समाज में अधिकांश कार्य निष्प्रयोजन होते हैं, जिनको करने से आत्मा के विकास, या शुद्ध भावों की वृद्धि में कोई सहयोग नहीं मिलता, अपितु राग-द्वेष की प्रवृत्ति बढ़ती है, जो हिंसा को बढ़ाने वाली है। महावीर की अहिंसा जीवों को न मारने तक सीमित नहीं थी। उसकी सीमा सत्य-शोध के महाद्वार का स्पर्श कर रही थी। इसीलिए महावीर स्वामी की मूल शिक्षा अहिंसा है।

आज कठिनाई यह हो रही है कि महावीर का भक्त उनकी पूजा करना चाहता है, पर उनके विचारों का अनुगमन करना नहीं चाहता। उन विचारों के अनुसार तपना और खपना नहीं चाहता। महावीर के विचारों का यदि अनुगमन किया जाता तो समाज, देश और विश्व की स्थिति ऐसी नहीं होती।

अहिंसा से मानसिक आतंकवाद का खात्मा : भगवान महावीर के समय सबसे बड़ी बुराई वैचारिक मतभेद की पनपी थी और आज भी दुनिया इसी कारण से संघर्ष कर रही है। इसके लिए महावीर ने स्याद्वाद और अनेकान्त का अमोघ सूत्र दिया, जिससे यह बुराई समाप्त हो सकती है। मानसिक आतंकवाद आज की बड़ी समस्या है, इसका समाधान भगवान महावीर की अहिंसा में निहित है। अहिंसा केवल उपदेशात्मक और शब्दात्मक नहीं है। उन्होंने उस अहिंसा को जीया और फिर अनुभव की वाणी में दुनिया को उपदेश दिया।

कोई पांच बातों का करें संकल्प : भगवान महावीर के उपदेशों को आज नए संदर्भों में देखने की आवश्यता है। हम जहां-तहां खनिजों की खोज में पृथ्वी को खोद रहे हैं, जल और वायु को प्रदूषित कर रहे हैं, पर्यावरणविदब स्थावरों की इस हिंसा से चिंतित हैं। विकास के नाम पर विलासता बढ़ रही है और साथ ही अमीर और गरीब के बीच की खाई भी बढ़ रही है। और क्या कहें, हम तो अहंकार पर छोटी-सी चोट पड़ने पर संसार को सिर पर उठा लेते हैं। पचासों बाते हैं, महावीर जन्म कल्याणक पर उनमें से कोई पांच बातें ही तो ग्रहण करें। ऐसा करके हम अपना आत्मकल्याण कर सकेंगे।

भगवान महावीर के विचार रोशनी देते हैं : आज देश व विश्व बड़े बुरे दौर से गुजर रहा है, हम बड़े-बड़े बमों, आणविक शक्ति से देश में शांति की स्थापना का सपना पाल बैठे हैं। मैं दृढ़ निश्चय से कह सकता हूं विश्व को आतंकवाद जैसी भयंकर बुराई पर काबू पाने के लिए तीर्थंकर महावीर द्वारा प्रतिपादित अहिंसा एवं अनेकांत-स्याद्वाद के सिद्धांत को अपनाये तो सार्थक हल निकल सकता है। आज समाज आधुनिक तो हुआ है, पर इस सफर में मानवता झुलसी है. नहीं तो क्या वजह है कि परिवार हो या समाज या फिर राष्ट्र, हर जगह राग-द्वेष व हिंसा के भाव ने विभिन्न रूपों में विस्तार लिया है. न वाणी पर संयम और न स्वयं पर नियंत्रण, ऊहापोह भरे इस वक्त में भगवान महावीर के विचार रोशनी देते हैं। भगवान महावीर का दर्शन अहिंसा और समता का ही दर्शन नहीं है, वह क्रांति का भी दर्शन है। उन्होंने अपने समग्र परिवेश को सक्रिय किया। उन्होंने जन-जन को तीर्थंकर बनने का रहस्य समझाया।

अहिंसा के मसीहा तीर्थंकर महावीर स्वामी ने उन सूत्रों को ओढ़ा नहीं था, साधना की गहराइयों में उतरकर आत्मचेतना के तल पर पाया था। आज महावीर के पुनर्जन्म की नहीं बल्कि उनके द्वारा जीये गए आदर्श जीवन के अवतरण/पुनर्जन्म की अपेक्षा है। जरूरत है हम बदलें, हमारा स्वभाव बदले और हम हर क्षण महावीर बनने की तैयारी में जुटें तभी महावीर जन्म कल्याणक मनाना सार्थक होगा।

यद्यपि युद्ध कियो नहीं,
नाहि रखे असि तीर,
परम अहिंसक आचरण,
तदपि बनें महावीर ।।

-डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर

हार्दिक बधाईयाँ

* **श्री सम्यक जैन** यूपीएससी द्वारा आयोजित आई.ई. एस की परीक्षा में देश में नौवां स्थान प्राप्त किया हैं। आप पिछोर निवासी श्री राजेंद्रकुमार- विमला जैन 'गरोठ वालों' के सुपुत्र हैं आपने हायर सेकेंडरी में भोपाल जिले में किया हैं , आईआईटी रुड़की से सिविल इंजीनियर में बीटेक की उपाधि प्राप्त की हैं।

* बचपन से ही देश सेवा की भावना रखने वाले **सुयश जैन** का चयन भारती वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर हुआ हैं। आप ललितपुर निवासी श्री सुनीलकुमार-इंदिरा जैन के सुपुत्र हैं। प्रारंभिक शिक्षा ललितपुर से करने के पश्चात आई.आई.टी कॉलेज लखनऊ से बीटेक किया हैं।

* भारतीय जैन मिलन के 23 वें क्षेत्रीय अधिवेशन में **श्री अनिल जैन** भोपाल को वीर ऑफ द ईयर का पुरस्कार प्रदान किया गया है आप पंडित श्री लालचंदजी 'राकेश' के पुत्र हैं आप की पुत्रवधू **श्रीमती रेखा अनिल जैन** को इसी कार्यक्रम में संगठन का क्षेत्रीय मंत्री नियुक्त किया गया है।

गोलालारीय परिवार की ओर से हार्दिक बधाईयाँ

हृदय से आभार

श्री सुधेशकुमार जैन स्व. श्री पं.बाबूलाल जी जैन (ऊन) क द्वारा शिरोमणि संरक्षक हेतु सहयोग राशि भेंट की गई है। आप गोलालारीय दर्शन पत्रिका के कोषाध्यक्ष है। आप पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था, इंदौर के अध्यक्ष हैं

मुनिभक्त **श्री प्रदीपकुमार** स्व. श्री कैलाशचंद जैन (दैनिक विश्व परिवार) रायपुर द्वारा गोलालारीय दर्शन पत्रिका के लिए शिरोमणि संरक्षक के लिए सहयोग राशि भेंट की हैं। आप प्रेस कॉउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य भी है कुछ दिनों पूर्व ही रायपुर में आयोजित समारोह में आपको जैन छत्तीसगढ़ गौरव रत्न से सम्मानित किया गया है । आप गोलालारीय दर्शन के सलाहकार प्रमुख भी हैं।

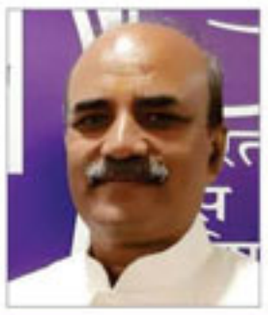

राष्ट्रीय संगोष्ठी व सम्मान समारोह 2022 के सुनहरे क्षण...

नवनिर्मित मंदिर

मंगलाचरण में उपस्थित अतिथिगण

संगोष्ठी में पधारे अतिथियों का सम्मान – श्री अरविंदजी जबलपुर, श्री रविन्द्रजी ललितपुर

संगोष्ठी में पधारे अतिथियों का सम्मान – श्री शांतिकुमारजी गंजबासौदा, श्री राजेश जैन, श्री संजय जैन लालू, श्रीमती साधना जैन (सहसंपादिका गोलालारीय दर्शन) भोपाल

संगोष्ठी में पधारे अतिथियों का सम्मान – डॉ. राहुल जैन विदिशा, एड. मुन्नालाल जैन ललितपुर, श्री आमोद जैन कानपुर, श्री प्रियंक जैन (वीर बाहुबी ग्रुप), इन्दौर

राष्ट्रीय संगोष्ठी में महिला प्रतिनिधि

अपने विचार प्रकट करते श्री आमोद व शांतिकुमार जैन

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं मुख्य अतिथि श्री हुकमचंदजी सांवला का अभिनंदन

सम्मान समारोह में श्री हसमुखजी गांधी, न्यास संस्थापक अध्यक्ष श्री राजेन्द्रजी जैन सायकलवाले, न्यासी श्री खुशालचंदजी जैन, न्यासी एवं संस्थापक सचिव इंजी. आनंदजी जैन का अभिनंदन

सम्मान समारोह में न्यासी श्री हरिशचंदजी जैन, न्यास अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी जैन, न्यास सचिव श्री बाहुबलीजी जैन, न्यासी राजेन्द्र जैन 'बागो' (गोलालारीय दर्शन) का अभिनंदन

न्यास कोषाध्यक्ष श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन का अभिनंदन

कार्यक्रम संचालक श्री सुदेश जैन, अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन, सचिव श्री बाहुबली जैन

श्री सुदेश जैन, इन्दौर का सम्मान

श्री राजीव जैन इन्दौर, श्री अर्पित वाणी इन्दौर, चार्टर्ड एकाउण्टेंट एम.के. शाह एवं पद्मावती पोडवाल समाज इन्दौर का सम्मान करते हुए

राष्ट्रीय संगोष्ठी व सम्मान समारोह 2022 के सुनहरे क्षण...

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि श्री सांवलाजी द्वारा डॉ. रुपेश मोदी, डॉ. रवि डोसी इन्दौर, डॉ. राजेश भोपाल (मिम्स), भोपाल, डॉ. सुबोध बांझल, इन्दौर का सम्मान करते हुए

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि श्री सांवलाजी द्वारा डॉ. श्रीमती साधना बांझल, डॉ. निमेष जैन इन्दौर, डॉ. सुनील जैन जलबपुर, वैद्यराज श्री चंडीप्रसादजी इन्दौर का सम्मान करते हुए

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि श्री सांवलाजी द्वारा श्री जिनेन्द्रकुमार, श्रीमती प्रतिभा जैन इन्दौर, श्री रमेशचंदजी जैन का सम्मान करते हुए

समाजसेवी श्री जिनेन्द्रकुमार जैन, अहमदाबाद

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि श्री सांवलाजी द्वारा श्री प्रदीप बड़जात्या, श्री अरविंद जैन, सुश्री प्रियांशी जैन, श्री नवीन जैन इन्दौर का सम्मान करते हुए

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि श्री सांवलाजी द्वारा श्रीमती साधना जैन (आकाशवाणी) भोपाल, श्री विनोद जैन, श्री संजय जैन, श्री संजय जैन 'अहिंसा' इन्दौर का सम्मान करते हुए

क्लर्क कालोनी मंदिर समिति का सम्मान

समाजसेवी स्व. श्री प्रदीप नौहरकलां भोपाल, स्व. श्री विजयकुमार, स्व. अशोककुमार जैन इन्दौर के परिजनों को स्मृति चिन्ह् भेंट किए

बघेरवाल समाज इन्दौर, पद्मावती पोरवाल (उ.प्र.) प्रतिनिधि मंडल का सम्मान

शिखरजी ड्रीम्स समिति अध्यक्ष श्री निशांत जैन एवं चौमासा समिति गुमास्ता नगर का सम्मान

मुख्य अतिथि श्री सांवलाजी का सम्मान

मुख्य अतिथि द्वारा पुस्तक विमोचन

नवगठित गोलालारीय महासभा के राष्ट्रीय महासचिव का सम्मान

मुख्य अतिथि का प्रेरक उद्बोधन

राष्ट्रीय संगोष्ठी व सम्मान समारोह 2022 के सुनहरे क्षण...

प्रबोध जैन (मैहर) का सम्मान, न्यास कार्यकारिणी पदाधिकारी श्री शिरीष जैन, श्री कमलकुमार जैन, श्री अशोककुमार जैन एवं श्री राजेश जैन बीड़ीवालों, झांसी का सम्मान करते हुए

समारोह के प्रारंभ में विभिन्न खेल प्रतियोगिता आयोजित हुई

सम्मान समारोह में समाजजनों की गरिमामयी उपस्थिति

सुस्वादिष्ट स्नेह भोज का आनंद लेते हुए समाजजन

तम्बोला एवं लकी ड्रॉ प्रतियोगिता आयोजित करते हुए पंकज जैन

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1. क्रमांक
2. प्रत्याशी का पूरा नाम
3. स्वयं / मामा का गोत्र
4. जन्म दिनांक
5. जन्म समय (बेलने समयानुसार)
6. जन्म स्थान
7. शिक्षा
8. कद / वजन
9. वर्ण
10. व्यवसाय
11. वार्षिक आय
12. कुंडली मिलान
13. मंगली
14. पत्र व्यवहार का पता
15. फोन / मोबाईल नं.

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1. 001
2. **श्रेय स्वतंत्र कुमार जैन**
3. फणीश/बिलौआ
4. 17.03.1996
5. 11.54
6. जबलपुर
7. B.E
8. 5'7''/ 65 कि.
9. साफ
10. एल एण्ड टी कम्पनी पूना
11. 8.00 लाख
12. हाँ
13. –
14. डी.ई.87, जैन मंदिर के सामने, म.प्र. विद्युत मंडल, मु.पो.चचाई,अनूपपुर
15. **7000357745, 9424649768**

1. 002
2. **अरिहंत राकेश जैन**
3. सिंघई/ पंचरत्न
4. 11.03.1995
5. 07.45
6. झाँसी (उ.प्र.)
7. B. Com
8. 5'9''/ 66 कि.
9. साफ
10. व्यापार ड्राय फ्रूट
11. 6.00 लाख
12. –
13. –
14. राजज्ञान, 76, अभिनंदन नगर, इन्दौर (म.प्र)
15. **7225948682, 8819071758**

1. 003
2. **अंकित स्व. श्री जिनेन्द्र कुमार जैन**
3. वैद्य / चिढ़ार
4. 21.09.1983
5. 09.00
6. इन्दौर
7. 12 th
8. 5'2''/61
9. साफ
10. आयुर्वेदिक कम्पाउण्डर
11. –
12. –
13. –
14. बरईपुरा चौराहा, विदिशाा
15. **9644559344, 7049156177**

1. 004
2. **अजीत विजय कुमारजी जैन**
3. बिलौआ/बैसाखिया
4. 02.03.1995
5. 11.20
6. जबलपुर
7. B.C.A.
8. 5'8''/ – कि.
9. गेहूँआ
10. सर्विस– केपजेमिनी इंडिया
11. –
12. हाँ
13. –
14. 243, कछियाना, गोल बाजार, जबलपुर
15. **7415161724, 6264035220**

1. 005
2. प्रखर प्रमोद कुमार जैन
3. सिंघई/वैद्य
4. 23.02.1992
5. 13.30
6. नागपुर
7. B.Tech.
8. 5'5''/ 63 कि.
9. गोरा
10. कैफे सेंटर (गैरिज)
11. 9 लाख
12. –
13. –
14. जनता हैंडलूम रेडीमेड, ओली, इतवारी, नागपुर
15. **7875808842, 9371457803**

1. 006
2. **अपूर्व दिनेशकुमार जैन**
3. गुढ़ारे/फणीश
4. 19.12.1989
5. 06.10
6. भोपाल
7. B.C.A.
8. 5'06''/70 कि.
9. गेहूँआ
10. सर्विस–स्टेट बैंक, भोपाल
11. 6 अंकों में
12. नहीं
13. हाँ
14. 503, सागर लैंडमार्क, अयोध्या बायपास रोड, भोपाल
15. **9140463534, 8770792313**

1. 007
2. **रोहित दीपचंद्र जैन**
3. फणीश/बिलौआ
4. 11.06.1994
5. 21.30
6. लिधौरा, टीकमगढ़
7. Polytechnic Diploma
8. 5'7''/– कि.
9. गेहूँआ
10. शा. सर्विस – ग्वालियर
11. 4.80 लाख
12. हाँ
13. –
14. लिधौरा जिला टीकमगढ़
15. **9893812051, 7354950697**

1. 008
2. **दीपेश सुदर्शनकुमार जैन**
3. पंचरतन/गोट
4. 14.08.1990
5. 15.50
6. ललितपुर
7. M.Com
8. 5'7''/ – कि.
9. गेहूँआ
10. सब इंस्पेक्टर–यूपी पुलिस
11. –
12. –
13. –
14. 473, गांधी नगर, नई बस्ती ललितपुर
15. **8960149899, 9889375386**

1. 008
2. **दीप्ति दीपचन्द्र जैन**
3. फणीश/बिलौआ
4. 11.11.1996
5. 17.00
6. लिधौरा, टीकमगढ़
7. B.A, M.A, D.Ed.
8. 5'1''/ – कि.
9. गेहूँआ
10. सर्विस एवं कोचिंग
11. –
12. हाँ
13. नहीं
14. न्यू बस स्टेण्ड, लिधौरा जिला टीकमगढ़
15. **7354950697, 9893812051**

1. 009
2. **आयुषी अनिलकुमार जैन**
3. फणीश/परिंदे
4. 19.11.1995
5. 09.50
6. –
7. B.Sc. math
8. 5'6''/ – कि.
9. गोरा
10. बी.एड. अध्ययनरत
11. –
12. –
13. –
14. 307, सिविल लाईन ललितपुर
15. **9450038276, 9528259821**

1. 006
2. **चि. सिद्धार्थ सुकमाल जैन**
3. गुड़ारे/मानोरिया
4. 01.11.1990
5. –
6. पन्ना
7. B.Pharma, M.A., B.Ed.
8. 5'6''/– कि.
9. गोरा
10. माइनिंग एवं मेडिकल स्टोर
11. 8.00 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. सिद्धार्थ इंटरप्राजेस माइनिंग एंड अर्थ मूवर्स मेन मार्केट, बृजपुर, पन्ना
15. **9340053474, 9826876425**

आदि जिणिदं जयदु जयदु

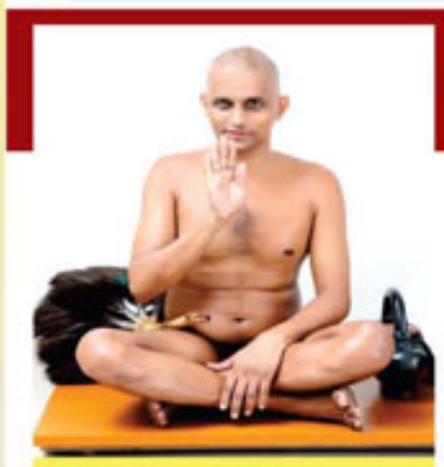

श्रमण मुनि १०८ आस्तिक्य सागर जी महाराज

नरेन्द्र जैन, पन्ना। हीरों की नगर ब्रजपुर में बन रहे महाअतिशयकारी श्री 1008 अतिशय क्षेत्र चंद्रायतन का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है। इस अतिशय क्षेत्र चंद्रायतन तीर्थ के प्रणेता है प. पू. श्रमणमुनि श्री 108 आस्तिक्यसागरजी महाराज। चंद्रायतन अतिशय क्षेत्र का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव प.पू. श्रमणाचार्य 108 श्री विशुद्धसागरजी महाराज के ससंघ सानिध्य में 1 मई से 6 मई तक होने जा रहा है। इस पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में पात्रों का चयन साआनंद संपन्न हुआ। समाजजनों से सादर निवेदन है कि इस पंचकल्याणक में सपरिवार पधारकर पुण्यार्जन करें।

श्रमणाचार्य १०८ श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ

।। श्री चंद्रप्रभ जिनेन्द्राय नमः ।।

श्री 1008 अतिशय क्षेत्र "चंद्रायतन" जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ

दिनांक 1 मई से 6 मई 2022

स्थान – ब्रजपुर जिला पन्ना (म.प्र.)

श्रमण मुनि १०८ अप्रमित सागर जी महाराज

श्रमण मुनि १०८ प्रणीत सागर जी महाराज

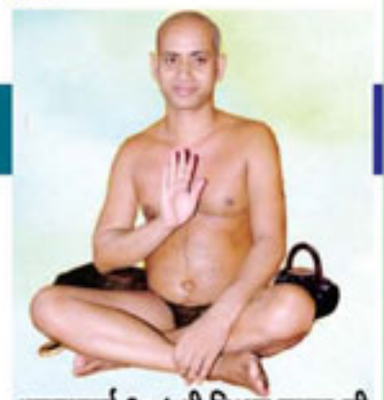

श्रमणाचार्य १०८ श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ

पंचकल्याणक महामहोत्सव के प्रमुख पात्र

माता पिता : श्री अशोककुमार–सुनीता जैन

सौधर्म इन्द्र : श्री नीरज–वंदना जैन

कुबेर इन्द्र : श्री कैलाशचंद–सारिका जैन

महायज्ञ नायक : श्री महेन्द्रकुमार–सुषमा जैन

महेन्द्र इन्द्र : श्री विमलकुमार–सुनीता जैन

ईशान इन्द्र : श्री जिनेन्द्रकुमार–सविता जैन

मंडप उद्घाटनकर्ता : श्री स्वजीत कुमार–रितु जैन

ध्वजारोहणकर्ता : श्री रितेशकुमार, शुद्धि कशीश एवं शौर्या बाकलीवाल परिवार, रायपुर

भरत: श्री दीपक–रुपा जैन

बाहुबली : श्री महेन्द्रकुमार–सुनीता जैन

बालक आदिनाथ : आगम जैन

बालसखा : संभव जैन, शौर्य जैन

नीलांजना : कु. आशी जैन व कु. मुक्ति जैन

* पंचकल्याणक महामहोत्सव समिति *

अध्यक्ष – श्री नरेन्द्रकुमार जैन

कार्यकारी अध्यक्ष – श्री राहुलकुमार जैन, श्री चक्रेशकुमार जैन

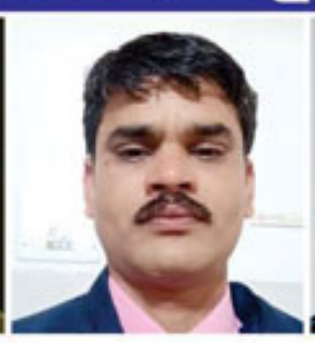

उपाध्यक्ष – श्री सुनीलकुमार जैन, श्री सत्येन्द्रकुमार जैन, श्री अशोककुमार जैन

कोषाध्यक्ष – श्री के.सी. जैन

सह कोषाध्यक्ष – श्री सिद्धार्थ जैन

सह कोषाध्यक्ष – श्री रविन्द्रकुमार जैन, श्री अनुजकुमार जैन, श्री सनतकुमार जैन

महामंत्री – श्री सुनीलकुमार जैन, श्री अंकितकुमार जैन

मुनि सेवा समिति – श्री अशोककुमार जैन, श्री सरगम जैन, श्री सनतकुमार जैन

संरक्षक – श्री मनोजकुमार जैन, श्री नत्थूलाल जैन, श्री एच.के. जैन, श्री दानचंद जैन, श्री सुकुमाल जैन, श्री दिलीपकुमार जैन, श्री वीरेन्द्रकुमार जैन, श्री पदम जैन

विवाहोत्सव की हार्दिक बधाईयाँ....

चिं. डॉ. यश संग सौ.कां. मुस्कान

सुपौत्र : स्व. श्रीमती फूलाबाई- स्व. श्री सेठ हुकमचंदजी जैन
सुपुत्र : श्रीमती ज्योति-डॉ. आजाद जैन, अहमदाबाद

सुपौत्री : श्रीमती सुशीलाजी-श्री दीपचंदजी जैन
सुपुत्री : श्रीमती सीमा-महेन्द्रकुमार जैन, विदिशा

का मंगल परिणयोत्सव

2 अप्रैल 2022 को

होटल दी ग्रांड भगवती, अमहदाबाद

हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ ।

Firms :

RADISURE MRI CENTER
RADISURE IMAGING CENTER
RADISURE DIAGNOSTIC CENTER
BABY CARE CHILDREN HOSPITAL
APNA MEDICAL STORES
DYLONE MEDICURE
NUTRILIS HEALTH CARE PVT. LTD.

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, संपादक मंडल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।
स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स 127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौ से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित ।